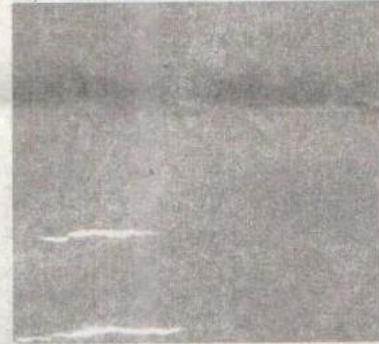


23 विद्यार्थियों को आइआइटी में पढ़ने का मिला मौका

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। प्रदेश सरकार के तकनीकी शिक्षा-कौशल विकास और रोजगार विभाग और इंडियन इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलॉजी (आइआइटी) इंदौर के बीच कुछ दिनों पहले अनुबंध किया गया। इसके तहत "विद्या समागम" कार्यक्रम बुधवार से शुरू किया गया है, जहां यूनिवर्सिटी के इंस्टिट्यूट आफ टेक्नोलॉजी, राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय सहित सरकारी (स्वायत्त) इंजीनियरिंग कालेजों के छात्रों को संस्थान में बीटेक प्रोजेक्ट को पूरा करने का मौका दिया है। इन संस्थान के विद्यार्थी आइआइटी से संचालित उन्नत पाठ्यक्रमों का अध्ययन कर सकेंगे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य अकादमिक सहयोग को बढ़ाया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक इसके माध्यम से शैक्षणिक अवसरों को बढ़ाने और छात्र गतिशीलता को प्रोत्साहित किया

230 विद्यार्थियों ने चयन प्रक्रिया में लिया हिस्सा। ये सभी प्रदेश के विभिन्न इंजीनियरिंग कालेजों के हैं।

01 सप्ताह में अपने पाठ्यक्रम को पूरा करने के लिए पढ़ाई की योजना बनानी चाहिए।



जाएगा। यहां तक कि शोध कार्यों को नई दिशा देना है।

चयन प्रक्रिया में प्रदेश के छह इंजीनियरिंग कालेजों के कुल 230 छात्रों ने हिस्सा लिया, जिनमें आठ छात्रों सहित 22 छात्रों ने पाठ्यक्रम के आठवें सेमेस्टर में प्रवेश लिया। इस दौरान इन छात्रों को आइआइटी इंदौर ने आयोजित लिखित परीक्षा और साक्षात्कार को पास करना था। ये सारे अधिकतर जबलपुर इंजीनियरिंग कालेज और उज्जैन इंजीनियरिंग

कालेज के विद्यार्थी हैं। ये विद्यार्थी यहां सिविल इंजीनियरिंग, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग से पाठ्यक्रम को पूरा करेंगे। इनकी कक्षाएं भी आइआइटी इंदौर के आठवें सेमेस्टर के नियमित छात्रों के साथ चलाई जाएंगी। इन छात्रों को अत्याधुनिक अनुसंधान में आइआइटी इंदौर के संकाय सदस्यों ने मार्गदर्शन दिया जाएगा। उन्नत अनुसंधान

प्रयोगशालाओं में शोध करने का अवसर प्रदान करेगा। इस दौरान निदेशक प्रो. सुहास जोशी ने कहा कि आप उन मेधावी और भाग्यशाली छात्रों में से एक हैं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम के लिए चुना गया है। शैक्षणिक और अनुसंधान कौशल को बेहतर बनाने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। वे कहते हैं कि पाठ्यक्रम पूरा करने के दौरान आपको अपने आप को कम नहीं आंकना चाहिए। संस्थान के संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ नियमित रूप से अलग-अलग विषयों पर भी चर्चा करते रहे। पढ़ाई संबंधी योजना इस प्रकार बनानी चाहिए कि आप हर सप्ताह अपने पाठ्यक्रम पूरा करें। उन्होंने कहा कि यह समझौता इस कार्यक्रम के साथ समाप्त नहीं होना चाहिए और आपको इस संस्थान में मास्टर्स और पीएचडी करने के अवसर का पता लगाना चाहिए।